

26⁸/4

पहुलाप उपलब्धी आपे। बार-बार आपाज
लगायी गयी कोई उपलब्धी नहीं है। फिर पत्र
में कोई उपलब्धी नहीं होने से पत्रावली अदम्य
हाजरी अदम्य पत्रों में रखाई की जाती है।
पत्रावली फॉलोअप अदम्य अदम्य से कम
है। बाद में दाखिल इफ्तदा है।

सहायक कलक्टर
बानसुर (असुर)